IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

" जौनपुर जनपद में ग्राम्य जनसंख्या वृद्धि एवं भूमि उपयोग संसाधनों का कृषि विकास के गतिकी कारकों का विश्लेषण "

शोध निर्देशिका
डॉ0 अनामिका सिंह
सोसिएट प्रोफेसर
राजा श्रीकृष्णदत्त पी0जी0
कालेज जौनपुर उ0 प्र0
(भूगोल विभाग)

शोधार्थिनी
सुजीता देवी
एम0 ए0 (भूगोल)
राजा श्रीकृष्णदत्त पी0जी0
कालेज जौनपुर उ0 प्र0
(भूगोल विभाग)

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन क्षेत्र जनपद "जौनपुर में ग्राम्य विकास गतिकी : एक भौगोलिक विश्लेषण के अन्तर्गत भौगोलिक परिदृश्य का अध्ययन किया गया है। अतीत में गौरवमयी बिन्दुस्पर्शी और सल्तनत होने के शिखर पर प्रतिष्ठित जनपद जौनपुर आज अपनी सीमित सेनाओं को समेटे हुए एक लम्बे गौरव इतिहास के रूप में देखा जाता है। जनपद के मध्य भाग में सई और गोमती नदी प्रवाहित होती है। इसे जौनपुर जनपद की जीवन रेखा कहा जाता है।" समकालीन इतिहासकार शम्स ए सिराज अफीक के अनुसार जौनपुर जनपद को सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने (1361–1388) के मध्य एक नगर के रूप में बसाया था। भारत में ग्राम्य विकास का पुनर्निर्माण के लिए 1921–1930 के मध्य की अवधि सबसे महत्वपूर्ण रही । श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर के द्वारा 1921 ई0 में श्री निकेतन ग्राम्य का निर्माण होने के बाद ग्राम्यों का पूर्णरूप से विकास होने लगा। भारतीय ग्राम्य क्षेत्र के विकास के सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।[1] हमारे देश में अधिकांश जनसंख्या की जीविका कृषि पर निर्भर है। अतः कृषि विकास से ग्राम्यों का विकास होता है। भारतीय ग्राम्यों में गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, कुपोषण , असुरक्षा, भ्रष्टाचार, जातिवाद, रूढ़िवादिता, अल्पवृद्धि, अनावृद्धि एवं सूखा तथा अस्वास्थ्य आदि विपदाओं से जूझ रहा है। शोधार्थिनी अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद में ग्राम्य विकास गतिकी कारकों का मूल्यांकन करके अपने पहलुओं कों दृष्टिगत विकास को प्रोत्साहित करेंगें तथा उनके ग्राम्य विकास के लिए भारत सरकार की योजनाओं को अध्ययन क्षेत्र में लाकर खुशहाल ग्राम्य एवं खुशहाल राष्ट्र का निर्माण होगा।

अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद वाराणसी मण्डल के उत्तरी पश्चिमी भाग में स्थित है। इसकी पश्चिमी सीमा इलाहाबाद(प्रयागराज) और प्रतापगढ़ , दक्षिणी सीमा पर सन्तरबिदास नगर (भदोही) , मिर्जापुर ,वाराणसी पूर्वी सीमा पर आजमगढ़ , उत्तरी सीमा पर सुल्तानपुर जनपद की सीमाओं को स्पर्श करती है। उ0 प्र0 राज्य के पूर्वांचल भूभाग पर 25^0 24′ सें 26^0 12′ उत्तरी अक्षांश तथा 82^0 7′ से 84^0 5′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। समुद्र तल से औसत ऊँचाई 261.29 फीट है। जनपद की उत्तरी से दक्षिणी सीमा की लम्बाई 90 किमी0 तथा पूर्व से पश्चिम की लम्बाई 85 किमी0 है। इस जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी0 है। 2011 की जनगणना के अनुसार 6 तहसील, 21 विकासखण्ड है तथा कुल

ग्रामों की संख्या 3287 है। जनपद की कुल जनसंख्या 4494204 व्यक्ति है, जिसमें पुरूष की जनसंख्या 2220465 तथा महिलाओं की जनसंख्या 2273739 है। जनवृद्धि 14.89 प्रतिशत, साक्षरता 71.55 प्रतिशत। लिंगानुपात 1000/1021 है तथा जनसंख्या घनत्व 1113 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है।

2

जौनपुर जनपद में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण :–

अध्ययन क्षेत्र में ''जनसंख्या अध्ययन सभी सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए अध्ययन का प्रमुख विषय रहा है। यद्यपि विभिन्न विषयों की अध्ययन विद्या और विषयक्षेत्रों में भिन्न–भिन्न है। फिर भी प्रत्येक विषय का जनसंख्या के ऐतिहासिक और क्षेत्रीय प्रतिरूप विश्लेषण महत्वपूर्ण योगदान है।'' 3 (बुड्स 1979) प्रारम्भिक काल में भूगोल में जनसंख्या वितरण का अध्ययन मानव भूगोल वेत्ताओं का विषय था लेकिन वर्तमान समय भौगोलिक अध्ययन में जनसंख्या और उससे सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन में जनसंख्या महत्वपूर्ण माना जाता है।''जनसंख्या वृद्धि भूगोलवेत्ताओं के अध्ययन क्षेत्र की आर्थिक प्रगति सामाजिक उत्थान, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा राजनैतिक आदर्श का एक महत्वपूर्ण सूचक है। जनसंख्या वृद्धि किसी क्षेत्र में रह रहे लोगों की संख्या में परिवर्तन से है। जनसंख्या परिवर्तन का अध्ययन

10 वर्षों के समय के लिए जन्म दर एवं मृत्यु दर को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या का विश्लेषण किया जाता है। जन्म दर अधिकतम तथा मृत्यु दर न्यूनतम होने की दशा को जनसंख्या वृद्धि की संज्ञा दी जाती है।4 शोधार्थिनी अपने अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद में जनसंख्या वृद्धि का आकलन 2011 की जनगणना के अनुसार विकास खण्डवार वृद्धि का विश्लेषण किया गया है।

जौनपुर जनपद में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण का प्रतिरूप –2011 के अनुसार विकासखण्डवार

क्र0सं0	विकासखण्ड	कुल क्षे0 वर्ग किमी0	कुल जनसंख्या	पुरूष	महिला	वृद्धि दर प्रतिशत
1	सूइथाकला	210.89	186954	93379	93575	19.32
2	शाहगंज	291.49	309863	155472	154391	23.98
3	खुटहन	194.84	217768	108500	109268	17.02
4	करंजाकला	184.60	245417	123352	122065	17.42
5	बदलापुर	212.10	229945	113332	116613	14.81
6	महाराजगंज	193.93	165807	51514	83993	13.79
7	बक्सा	180.44	201696	98834	102862	11.97
8	सुजानगंज	221.01	210413	103128	107285	14.25
9	मुगराबादशाहपुर	222.40	197879	97433	100446	18.97
10	मछलीशहर	270.73	227854	110942	116912	17.64
11	मड़ियाहूँ	218.41	212125	102267	109858	12.41
12	धर्मापुर	217.01	194969	92400	102569	8.27
13	रामनगर	155.58	183024	91415	91609	10.08
14	मुफ्तीगंज	100.03	114613	56423	58190	12.13
15	जलालपुर	186.78	211027	103349	107678	11.31
16	केराकत	200.59	207703	101617	106086	13.58
17	डोभी	131.24	127697	60572	67125	14.39
18	बरसठी	149.70	164804	81101	83703	5.71
19	रामपुर	160.76	184101	89789	94312	9.22
20	सिरकोनी	145.26	168145	82777	85368	15.26
21	सिकरारा	153.15	185820	93321	92499	16.49
	कुल ग्रामीण योग	3990.94	4147624	2041217	2106407	38.56
	कुल नगरीय योग	47.06	346580	179248	167332	26.50
	कुल जनपद योग	4038.00	4494204	2220465	2273739	14.83

स्रोत :– जनपद सांख्यिकी पत्रिका जौनपुर वर्ष 2018 , तालिका संख्या 6,7

अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल भौगोलिक जनसंख्या 4494208 व्यक्ति है जिसमें पुरूष की जनसंख्या 2220465 तथा महिलाओं की जनसंख्या 2273739 है तथा कुल क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी है तथा ग्रामीण क्षेत्रफल 3990.94 वर्ग किमी0 तथा नगरीय क्षेत्रफल 47.06 वर्ग किमी0 है। जनसंख्या वृद्धि जनपद का योग 14.89 प्रतिशत है। ग्रामीण जनवृद्धि 38.56 प्रतिशत तथा नगरीय जनसंख्या 26.5 प्रतिशत है। ग्रामीण जनसंख्या 4147624 तथा नगरीय जनसंख्या 346580 व्यक्ति है। अध्ययन क्षेत्र में विकासखण्ड वार क्षेत्रफल के अधिकतम प्रखण्डों में शाहगंज 291.49 वर्ग किमी0, मड़ियाहूँ , मुगराबादशाहपुर 222.40 वर्ग किमी, सुजानगंज 221.01 वर्ग किमी तथा 270.73 वर्ग किमी0। न्यूनतम क्षेत्रफल प्रखण्ड मुफ्तीगंज 100.03 वर्ग किमी0 है। कुल जनसंख्या का अधिकतम जन प्रखण्ड शाहगंज 308863 , करंजाकला 245417 ,बदलापुर 229945 तथा न्यूनतम जनसंख्या के प्रखण्ड डोभी 12767 सबसे न्यूनतम जनसंख्या के प्रखण्ड है। पुरूष जनसंख्या के उच्चतम प्रखण्ड शाहगंज 155472 तथा न्यूनतम पुरूष जनसंख्या के प्रखण्ड डोभी 60572 प्रखण्ड है। महिला जनसंख्या के उच्चतम प्रखण्ड–

शाहगंज 15391 तथा न्यूनतम महिला जनसंख्या के प्रखण्ड –डोभी 67125 के प्रखण्ड है। जनसंख्या वृद्धि के प्रखण्ड–शाहगंज 23.98 प्रतिशत, न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि के प्रखण्ड –बरसढी 5.71 प्रतिशत के प्रखण्ड हैं । इस प्रकार शोधार्थी अपने शोध जौनपुर जनपद जनसंख्या वितरण का विश्लेषणात्मक विवेचना प्रस्तुत किया है।

जौनपुर जनपद में भूमि उपयोग संसाधनों का वितरण :–

जनपद जौनपुर के भौगोलिक अध्ययन क्षेत्र में भूमि उपयोग संसाधनों का उपयोग मनुष्य अपनी आवश्यकताओं तथा इच्छाओं की पूर्ति हेतु उपयोग करता है। तो भूमि उपयोग संसाधन कहलाता है। '' जब किसी क्षेत्र में भूमि उपयोग वहॉ की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में क्षेत्र के विकास हेतु मानवीय इच्छानुसार सम्पन्न हो रहा हो और प्राकृतिक पर्यावरण का प्रभाव कम हो तो उस अवस्था को भूमि संसाधन उपयोग माना जा सकता है। '' शोधार्थिनी के द्वारा जनपद जौनपुर के भूमि उपयोग संसाधनों की उपयोगिता विकासखण्ड विवरण प्रस्तुत किया गया है। भूमि उपयोग संसाधनों की 2014–15 जनपद सांख्यिकीय पत्रिका के अनुसार विवरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

जौनपुर जनपद में भूमि उपयोग संसाधनों का वितरण विकासखण्डवार –2014–15 के अनुसार हे0

क्र0 सं0	विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षे0	वन	कृष्य बेकार	वर्तमान परती	अन्य परती	ऊसर कृषि अयोग्य	कृषि अतिरिक्त उपयोग भूमि	चारागाह	उद्यान झाड़ियां
1	सूइथाकला	21608	14	310	3433	1801	342	2520	99	167
2	शाहगंज	28925	0	582	4155	2510	371	3970	217	82
3	खुटहन	19698	5	282	2855	1670	193	3060	125	221
4	करंजाकला	18751	0	319	432	610	374	3140	125	207
5	बदलापुर	21427	0	303	1800	648	423	1988	31	689
6	महाराजगंज	18892	0	275	2366	877	284	1915	34	142
7	बक्सा	17001	6	174	670	374	142	2014	33	361
8	सुजानगंज	22411	0	320	944	1632	343	2706	20	351
9	मुगराबादशाहपुर	22483	0	959	1049	721	572	2006	59	40
10	मछलीशहर	25004	8	783	1510	997	554	2727	53	126
11	मड़ियाहूँ	21254	1	503	1541	1352	463	2056	141	189
12	धर्मापुर	20828	11	556	1815	1097	667	2158	86	147
13	रामनगर	14772	5	349	1026	77	211	1372	49	358
14	मुफ्तीगंज	9958	0	124	106	124	166	903	1	271
15	जलालपुर	18353	0	380	1818	816	448	1832	35	157
16	केराकत	20251	9	483	1307	1790	503	2125	49	192
17	डोभी	13279	4	240	859	547	154	1347	95	195
18	बरसठी	14849	0	293	1278	249	179	1602	13	303
19	रामपुर	15235	0	234	1451	399	209	1809	25	157
20	सिरकोनी	1473	0	282	891	587	155	1398	62	100
21	सिकरारा	17037	0	234	1830	1414	159	2027	4	325
	कुल ग्रामीण योग	396755	63	7984	33106	20292	6912	44675	1356	4780
	कुल नगरीय योग	2958	0	8	375	216	57	777	0	27
	कुल जनपद योग	399713	63	7992	33481	20508	6969	45452	1356	4807

स्रोत :– जनपद सांख्यिकीय पत्रिका जौनपुर 2014–15, तालिका संख्या 17

अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद में भूमि उपयोग संसाधनों का वितरण 2014–15 के अन्तर्गत कुल भौगोलिक क्षेत्र में 300713 हेक्टेयर भूमि उपयोग संसाधनों में उपयोग किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 396755 हे0 भूमि विभिन्न मदों में वितरण किया गया है। जबकि नगरीय क्षेत्र में 2958 हे0 भूमि का उपयोग किया जाता है। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विकासखण्डवार भूमि उपयोग किया जाता है।जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विकासखण्डवार भूमि उपयोग संसाधनों का ग्राम्य स्तर पर वन क्षेत्र 63 हे0 तथा नगरीय क्षेत्रों में 0 हे0, भूमि का उपयोग किया जाता है। कृष्य बेकार भूमि ग्राम्य क्षेत्रों में 7984 हे0, तथा नगरीय क्षेत्रों में 8 हे0, भूमि उपयोग है। वर्तमान परती भूमि ग्राम्य क्षेत्रों में 33106 हे0 नगरीय क्षेत्रों में 375 हे0 भूमि है। अन्य परती भूमि उपयोग ग्राम्य क्षेत्रों में 20292 हे0 तथा नगरीय क्षेत्रों में 216 हे0 भूमि का उपयोग किया जाता है। ऊसर कृषि अयोग्य भूमि ग्राम्य स्तर पर 6912 हे0 नगरीय स्तर पर 57 हे0 भूमि है। कृषि अतिरिक्त भूमि ग्राम्य स्तर पर 44675 हे0 नगरीय स्तर पर 77 हे0 भूमि उपयोग संसाधनों का उपयोग किया जाता है। चारागाह के लिए उपयोग किया जाता है। उद्यान एवं झाड़ियों के रूप में भूमि उपयोग ग्राम्य विकास स्तर पर 4780 हे0 नगरीय क्षेत्रों में 27 हे0 भूमि का उपयोग किया जाता है।

जौनपुर जनपद में विकासखण्ड स्तर पर भूमि उपयोग संसाधनों का वितरण जनपद के विभिन्न प्रखण्डों में उच्चतम एवं न्यूनतम स्तर पर विश्लेषण का प्रतिरूप है। भूमि उपयोग संसाधनों का प्रखण्ड स्तर कुल प्रतिवेदित भूमि का उच्चतम स्तर के प्रखण्ड शाहगंज 28925 हे0 तथा न्यूनतम स्तर मुफ्तीगंज 13278 हे0 भूमि है, वन क्षेत्र विकासखण्ड स्तर पर उच्चतम स्तर पर सूइथाकला 14 हे0, बरसठी 11 हे0 तथा न्यूनतम स्तर पर शाहगंज , डोभी, सिरकोनी, आदि प्रखण्डों में 0 हे0 भूमि वन पाये जाते है। कृष्ण बेकार भूमि के प्रखण्उ उच्चतम स्तर पर मुंगराबादशाह 975 हे0 तथा न्यूनतमस्तर पर बक्सा 174 हे0 भूमि है। वर्तमान परती भूमि का उच्चतम स्तर के प्रखण्ड शाहगंज 4155 हे0 तथा न्यूनत स्तर के प्रखण्ड धर्मापुर 106 हे0 भूमि के प्रखण्ड है। अन्य परती भूमि उच्चतम स्तर के प्रखण्ड –शाहगंज 2510 हे0 तथा न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड सिकरारा 77 हे0 भूमि के प्रखण्ड है। ऊसर कृषि अयोग्य भूमि उच्चतम स्तर प्रखण्ड –बरसठी 667 हे0 तथा न्यूनतम स्तर पर बक्सा 142 हे0 के प्रखण्ड है। कृषि योग भूमि के प्रखण्ड उच्चतम स्तर पर शाहगंज 3970 हे0 तथा न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड धर्मापुर 903 हे0 न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड है। चारागाह क्षेत्र में भूमि उपयोग उच्च प्रखण्ड शाहगंज 217 हे0 तथा न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड धर्मापुर 1 हे0 भूमि है। उद्यान एवं झाड़ियां का क्षेत्र प्रखण्ड बदलापुर 689 हे0 तथा न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड–मुगराबादशाहपुर 40 हे0 भूमि पर न्यूनतम स्तर के प्रखण्ड है। शोधार्थिनी अपने शोध अध्ययन क्षेत्र में भौगोलिक भूमि उपयोग संसाधनों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

जौनपुर जनपद में जनसंख्या वृद्धि एवं भूमि उपयोग संसाधनों का विश्लेषणात्मक अध्ययन :–

शोध अध्ययन क्षेत्र जौनपुर जनपद के भौगोलिक अध्ययन के अन्तर्गत जनसंख्या वृद्धि एवं भूमि उपयोग संसाधनों का विश्लेषण से स्पष्ट हुआ है कि शोधार्थिनी के द्वारा जनपद में ग्राम्य विकास के कारकों में जनसंख्या वृद्धि का भूमि उपयोग संसाधनों पर बुरा प्रभाव दिखाई देता है। भारतीय ग्राम्य क्षेत्र में बढ़ती हुई जनसंख्या वृद्धि से सामाजिक, आर्थिक , राजनैतिक आदि समस्याओं की बढ़ती हुई प्रवृत्ति गरीबी बेरोजगारी , कुपोषण, असुरक्षा, भ्रष्टाचार, जातिवाद आदि समस्याओं को ग्राम्य क्षेत्रों में दिन–प्रतिदिन बदलती जा रही है। इस ग्राम्य क्षेत्रों में गरीबी का प्रमुख कारण जनसंख्या विस्फोट, जोतों का छोटा आकार, कम उत्पादकता, बेरोजगारी एवं व्यावसायिक शिथिलता आदि। अधिकांश ग्राम्य क्षेत्रों में जनसंख्या की जीविता का प्रमुख साधन कृषि है। कृषि से सम्बन्धित कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पन्न किये जाते है लेकिन ग्राम्य क्षेत्रों में कृषि भूमि उपयोग की बदलती हुई क्रियाकलाप के कारण आधुनिक समय में ग्रामीणों में गरीबी एवं बेरोजगारी शिक्षण कौशल तकनीक के अभाव में बढती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए तकनीकी , वैज्ञानिक यन्त्रों का उपयोग करके टिकाऊ कृषि भूमि उपयोग को सुधारा जा सकता है। ग्रामीण आकारिकी के अन्तर्गत भौतिक आकारिकी, कार्यात्मक आकारिकी तथा जनांकिकीय या सामाजिक आकारिकी की संरचना करके ग्राम्य विकास के स्तर को वितरित किया जा सकता है । भूमि

उपयोग संसाधनों और जनसंख्या वृद्धि के बीच अन्तर्सम्बन्धों को ग्राम्य विकास के आधार स्वरूप कार्यक्रमों को ग्रामीण विकास के अद्यतन किया जा सकता है।

जौनपुर जनपद में ग्राम्य विकास हेतु सुझाव :–

जनपद जौनपुर में ग्राम्य विकास हेतु ग्रामीण जनता के आध्यात्मिक, मानसिक , बौद्धिक, भौतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक तकनीकी विकास से ही ग्राम्य विकास को जोड़ा जा सकता है। ग्रामीण विकास के लिए कठिन परिश्रम, आत्मसंयम, आत्म निर्भरता, पारस्परिक निर्भरता व समादर को ग्राम्य निर्माण के लिए आदर्श मानकर ग्राम्य विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है। 1932 ई0 में बड़ौदा ग्राम से ग्राम्य विकास की योजना प्रारम्भ की गयी जिसके अन्तर्गत ग्राम्य विकास के लिए आवागमन एवं संचार में सुधार, पेयजल उपलब्धता का निर्माण, चारागाह, कृषि , शिक्षा, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवा, उत्तम आवास, गृह एवं हस्तकला , ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, मनोरंजन के साधन, ग्रामीण रोजगार , शिक्षा आदि ग्राम्य विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अध्ययन क्षेत्र में स्वतन्त्रता से पहले ग्राम्य विकास की स्थिति दयनीय थी, लेकिन स्वतन्त्रता के बाद भारत में ग्राम्य विकास के लहरे उठी। इस दिशा में 1969 ई0 में ऑल इण्डिया रूरल क्रेडिट रिफार्म कमेटी की स्थापना होने के बाद कृषकों की तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुरूप लघु एवं सीमांत कृषक तथा कृषि मजदूर विकास के द्वारा ग्राम्य क्षेत्रों में स्वरोजगार का विकास किया गया है। प्रधानमंत्री राजीव गॉधी के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा शक्ति के रूप मे विद्युतीकरण करके ग्राम्य क्षेत्रों में सिंचाई के साधन, कृषि कार्य के विद्युत एवं इन्दिरा गॉधी आवास योजना, महात्मा गॉधी ग्रामीण रोजगार योजना, आदि ग्रामीण विकास को आधार प्रदान किया। शोधार्थिनी अपने शोध अध्ययन में वर्तमान रूपरेखा के अन्तर्गत ग्राम्य विकास के लिए '' भारत सरकार द्वारा नवीन ग्राम्य विकास योजनाओं को लाकर समग्र ग्राम्य विकास खुशहाल ग्राम एवं समृद्ध ग्राम्य विकास की योजना प्रधानमंत्री ग्राम्य विकास वर्तमान कार्यरत है। जैसे –ग्रामीण कृषि विकास, किसान सहयोग योजना, सिंचाई कार्य योजना, उन्नति बीज योजना, क्रय–विक्रय मूल्य योजना, कृषि ऋण योजना, फसल बीमा, विद्युत कृषि नलकूप योजना, स्वास्थ्य कृषक योजना, मृदा परीक्षण योजना, कृषि शिक्षा योजना, स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना , जनधन योजना, तकनीकी कौशल विकास योजना, महिला शिक्षा रोजगार स्वास्थ्य योजना, बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ योजना, शौचालय योजना, ग्राम सड़क योजना, ग्राम परिवार कुशल योजना, पेयजल सुरक्षा योजना, भोजन वायु संरक्षण योजना आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. डॉ0 सत्यनारायण दूबे :जौनपुर का गौरवशाली इतिहास 2013, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद पृष्ठ सं0 42
2. डॉ0 सत्यनारायण दूबे :जौनपुर का गौरवशाली इतिहास 2013, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद पृष्ठ सं0 1
3. डॉ0 आर0 सी0 चान्दना, जनसंख्या भूगोल 2017, कल्याणी पब्लिशर्स लुधियाना पृष्ठ सं0 1
4. डॉ0 आर0 सी0 चान्दना, जनसंख्या भूगोल 2017, कल्याणी पब्लिशर्स लुधियाना पृष्ठ सं0 155
5. जनपद सांख्यिकी पत्रिका जौनपुर 2018 , तालिका सं0 6, 7
6. आ0 सी0 तिवारी , डॉ0 बी0 एन0 सिंह 2010, प्रयाग पुस्तक भवन इलाहाबाद, पृष्ठ सं0 77
7. जनपद सांख्यिकीय पत्रिका, जौनपुर जनपद 2014–15, तालिका संख्या 17
8. ग्रामोदय संकल्प–अक्टूबर मई 2018 पृष्ठ सं0 18,19
9. पत्र पत्रिका, समाचार, लेख, इण्टरनेट आदि